

गर्मी की पहली - शब्द जाल प्रतियोगिता-09

नीचे दिये गर्मी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर आपको निर्धारित बॉक्स में देना है -

- 1) गर्मी में आने वाली एक तिथि जिस पर विवाहादि मांगलिक कार्य संपन्न होते हैं -
- 2) गर्मी में मिलने वाला एक बड़ा फल
- 3) गर्मी में सबके मन को भाने वाली ठंडी ठंडी
- 4) गर्मी में लोग यहाँ जाना पसंद करते हैं प्रतियोगी का नाम
- 5) गर्मी में सब पीना पसंद करते हैं -
- 6) मालवा का प्रसिद्ध व्यंजन जो फलों के राजा से बनता है - पता
- 7) एक यंत्र जो गर्मी से राहत देता है -
- 8) गर्मी में बच्चे जाना पसंद करते हैं अपने घर
- 9) गर्मी में चलने वाली गर्म हवा - मोबाइल नं.
- 10) गर्मी में शरीर से निकलता है -

प्रतियोगी
का फोटो

निम्नलिखित पते पर भेजें - 'गोलालरीय दर्शन' 16, महारानी रोड, इन्दौर या 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर। प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को के नाम निकालकर आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे। * नियम - प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग महिला / पुरुष / बच्चों के लिए है। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 जून 2015 सही जवाब के साथ प्रतियोगी परिवार प्रमुख का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो लगाकर पूर्ण पता मय पिनकोड के साथ अवश्य भेजें। संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। अपूर्ण जानकारी होने पर प्रविष्टि को निरस्त किया जा सकता है। प्रतियोगिता 8 के परिणाम आगामी अंक में प्रकाशित किये जायेंगे।

गोलालरीय दर्शन

प्रशंसा पत्र

अंक प्राप्त करने हुए अपने सम्पादक को नीचेलिखित किये हैं। आपकी श्रेष्ठतम शैक्षणिक उपलब्धियों के लिये "गोलालरीय दर्शन" अपनेको सम्मानित करने हुए आपके उज्ज्वल भविष्य एवं कसौटी जीवित की कामना करता है।

अपने परिवार एवं सम्पादक के लिए आप सर्वोच्च सम्मानित रहे, इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ...

ये भाव नहीं हैं पढ़ें से, बहती बिरसे सरास नहीं। इतर नहीं पचा हैं ये, मिले सरार से नर नहीं।

जिन विद्यार्थियों को गत वर्ष के प्रशंसा पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं वे 94240131136 पर संपर्क करें।

वर्ष 2014-15 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2014-15 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारूप में अपना विवरण 15 जून 2015 तक गोलालरीय दर्शन कार्यालय पर भेज सकते हैं।

विद्यार्थी का नाम: _____	कक्षा _____
पिता/माता का नाम: _____	
डाक का पूर्ण पता: _____	पिन न लगायें। नवीन फोटो पर नाम लिख यहां चिपकाएं
नगर के पिन कोड फोन सहित देवे।	
फोन/मोबाइल: _____	
कुल अंक: _____	प्राप्तांक _____ प्रतिशत/ग्रेड _____
विशेष उपलब्धि: _____	

विशेष : ● वर्ष 2015 की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपने जानकारी फोटो सहित भेजें। ● कक्षा 1 से 5 तक 90 % या ए2 ग्रेड ● कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 % / बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारूप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ 15 जून 15 तक निम्न पते पर भेजें ताकि आगामी अंक में उन्हें उचित स्थान दिया जा सके। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा। उक्त प्रारूप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है। विशेष नोट - अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक/प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रूप से लिखना अनिवार्य है। ● अंक सूची पर काट पीट या ओवरराइटिंग न करें। उक्त प्रारूप को पूर्ण रूप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टि मान्य होगी। ● वर्ष 2014-15 की अंकसूची ही स्वीकार होगी। स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेजें। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी भेजें जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रूप से होना चाहिए। ● अपूर्ण जानकारी, अंकसूची नहीं होने पर, आवेदन फार्म नहीं होने पर फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा।

फार्म भेजने का पता : "गोलालरीय दर्शन", श्री गोलालरीय दि. जैन समाज न्यास, 16, महारानी रोड, एवं 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर - 452 003

महर्स डे (10 मई)

लघुकथा - माँ तो माँ होती है।

शहर में नये नये आये थे। गृहस्थी का ज्यादा सामान भी नहीं था, न ही किसी से जान पहचान। बस खुशी की बात थी कि भाई का घर कुछ दूर ही था। माँ भी उनके साथ रहती थी। पयूषण के दिन नजदीक आ रहे थे, सो उन्हीं की तैयारियों में जुटी थी। तभी रोट तीज (त्रिलोक तीज) का व्रत पड़ा। दिन भर निर्जल उपवास। दूसरे दिन जैसे ही मंदिर से वापस आई अचानक डोरबेल बजी। दरवाजा खोलते ही देखा सामने भैया थे, हाथ में बड़ा सा थैला। अंदर आकर थैला खोलते ही आँखे खुशी से छलक पड़ी। माँ ने पारणा की सामग्री भेजी थी, गर्मा गर्म हलवा, दूध, कालीमिर्च की उकाली बगैरह बगैरह। यही नहीं पयूषण के लिए शुद्ध आटा, बेसन, मसाले, ड्रायफ्रूट्स और न जाने क्या क्या। बिना मेरे कहे ही माँ ने मेरी सारी परेशानी दूर कर दी। सच, वो माँ जो थी।

